सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः
डोहगी, ऊना (हिमाचलप्रदेशः)

भारतसर्वकारस्य शिक्षामन्त्रालयस्य योजनाधीनः,
नवदेहलीस्थ-केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन सम्बद्धः

Website : http://sdasm.in/ Email: asmvdohgi1928@gmail.com

गुरुपूर्णिमोत्सवः

दिनाङ्कः - 29.7.2026

प्रतिवेदनम्

सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालये, डोहग्यां गुरुपूर्णिमायाः पावनमहोत्सवः श्रद्धाभक्तिपूर्णे गरिममये च वातावरणे सुसम्पन्नः । कार्यक्रमस्य शुभारम्भः महाविद्यालयस्य छात्रैः नेहा-दिव्यांशु-इत्यादिभिः सर्वेषां गुरूणां तिलककरणपूर्वकं विहितः । ततःपरं कार्यक्रमस्य अध्यक्षेन महाविद्यालयस्य प्राचार्येण प्रो. लालसिंहपठानियामहोदयेन वरिष्ठाचार्यैश्च दीपप्रज्वालनं कृत्वा कार्यक्रमस्य औपचारिकः शुभारम्भः कृतः । वैदिकमङ्गलाचरणं वेदविभागस्य आचार्येण डा. महेशशर्मणा, वैदिकछात्रेण निशान्तेन अन्यैश्च वैदिकविद्यार्थिभिः विहितम् ।

कार्यक्रमे समुपस्थितानां सर्वेषामतिथीनां स्वागतं सम्मानं च महाविद्यालयस्य छात्राभ्याम् आर्यनशर्म-सचिनशर्मभ्यां च कृतम् । महाविद्यालयस्य छात्राभिः पूजा-शिखा-अञ्जलि-सुहानीभिः स्वागतगीतस्य माध्यमेन सर्वेषां गुरुजनानामभिनन्दनं कृतम् । अस्मिन्नवसरे विद्यार्थिभिः गुरुमहिम्नः सम्बन्धीनि प्रेरणादायकानि विचारप्रस्तावनानि, भाषणानि, कवितापाठाः सांस्कृतिककार्यक्रमाश्च प्रस्तुताः, येषां सर्वैः मुक्तकण्ठेन प्रशंसा कृता। शास्त्री-द्वितीयवर्षस्य छात्र्यः रिधम, नैन्सी तथा सिमरन भाषणैः, अभिलाषाशर्मा तथा काजल गीत-कविताभ्यां, राघवशर्मा च मङ्गलश्लोकपाठेन गुरुवन्दनां कृतवान् ।

कार्यक्रमस्य समन्वयकः मुख्यवक्ता च आचार्यः डा. नरेन्द्रकुमारः गुरुपूर्णिमायाः ऐतिहासिकं दार्शनिकं सांस्कृतिकं च महत्त्वं विशदीकृत्य महर्षेः वेदव्यासस्य अद्वितीयं योगदानं स्मारितवान्। तेन उक्तं यत्

गुरवः भारतीयज्ञानपरम्परायाः संवाहकाः सन्ति, तेषां मार्गदर्शनेन एव समाजे ज्ञानस्य, संस्काराणां नैतिकमूल्यानां च संरक्षणं सम्भवति । स्वकीयवक्तव्ये तेन स्वामिविवेकानन्दस्य स्वामिदयानन्दस्य च उदाहरणैः गुरोर्वैभवं सुस्पष्टतया प्रतिपादितम्।

महाविद्यालयस्य वरिष्ठाचार्यः डा. केदारदत्तपुरोहितः शास्त्रेषु वर्णितानां "नमोऽस्तु ते व्यासविशालबुद्धे" इत्यादीनां श्लोकानामाधारेण महर्षेः वेदव्यासस्य संस्कृतभाषायाः भारतीयसंस्कृतेश्च उन्नयने योगदानं विवृण्वन् गुरोः सम्बन्धिनां बहूनां श्लोकानां यथार्थभावं श्रोतृभ्यः सम्यक् निरूपितवान् ।

कार्यक्रमस्य अध्यक्षः महाविद्यालयस्य प्राचार्यः प्रो. लालसिंहपठानियामहोदयः स्वीये अध्यक्षीयोद्बोधने अवदत् यत् भारतीयसंस्कृतौ गुरोः स्थानं सर्वोच्चम् अस्ति। गुरुः केवलं ज्ञानं न ददाति, अपितु शिष्यस्य व्यक्तित्वनिर्माणं कृत्वा तं संस्कारितजीवनस्य मार्गे प्रेरयति । गुरौ श्रद्धा, विनयः समर्पणभावश्च विद्यार्थिजीवनस्य वास्तविकसफलतायाः मूलाधारः इति प्रतिपादयन् प्रो. पठानियामहोदयः स्वकीयकवितया विद्यार्थिनः गुरुजनानां प्रति सम्मानम्, अनुशासनं समर्पणभावं च निरन्तरं धारयितुमाह्वानम् अकरोत् ।

कार्यक्रमस्य संयोजनं ज्योतिषविभागस्य आचार्येण डा. मुकेशकुमारेण कृतम् । मञ्चसञ्चालनं शास्त्रिकक्षायाः छात्राभ्यां श्रीसुधांशुना सुश्रीतमन्नया च कुशलतया विहितम् । कार्यक्रमस्य समापनकाले महाविद्यालयस्य राष्ट्रियसेवायोजनायाः (एन.एस.एस.) स्वयंसेवकविद्यार्थिभिः सत्यम्, सरोचः, अंशुलभट्टः, मनीषः, अनिकेतः, शुभम्, संजु इत्यादिभिः प्रसादवितरणं कृतम् ।

अस्मिन्नवसरे महाविद्यालयस्य आचार्याः कर्मचारिणश्च समुपस्थिताः आसन् ।

कार्यक्रमविवरणिका

- तिलककरणम् - नेहा दिव्यांशुः इत्यादयः (महाविद्यालयच्छात्राः)
- दीपप्रज्वालनम् - प्राचार्यसमेताः सर्वे वरिष्ठाचार्याः
- सरस्वतीस्तवनम् - राघवशर्मा (शास्त्रितृतीयसत्रार्धस्य छात्रः)
- स्वागतगीतम् - सुहानी, अदितिः, शिखा, अञ्जलिः च
- भाषणम् - 1. रिधम् (शास्त्रि-तृतीयसत्रार्धम्)
  2. सिमरन् (शास्त्रि-पञ्चमसत्रार्धम्)
  3. नैन्सी (शास्त्रि-तृतीयसत्रार्धम्)
- गीतम् - अभिलाषा (शास्त्रि-तृतीयसत्रार्धम्)
- कवितापाठः - काजल (शास्त्रि-पञ्चमसत्रार्धम्)
- मुख्यवक्तृभाषणम् - डा. नरेन्द्रकुमारः
  (सहायकाचार्यः, दर्शनशास्त्रम्, स.ध. आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः)
- मुख्यातिथिभाषणम् - डा. केदारदत्तपुरोहितः
  (सहाचार्यः, सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी)
- अध्यक्षीयमुद्बोधनम् - प्रो. लालसिंहपठानिया
  (प्राचार्यः, सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी)
- धन्यवादसमर्पणम् - डा. मुकेशकुमारः
  (सहायकाचार्यः, ज्योतिषविभागः, स.ध. आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः)
- सत्रसञ्चालकौ - सुश्रीः तमन्ना कुमारी (शास्त्रिपञ्चमसत्रार्धच्छात्रा)
  श्रीसुधांशुः (शास्त्रिपञ्चमसत्रार्धच्छात्रः)

चित्रमालिका

S.D. ADARSH SANSKRIT COLLEGE, DOHGI, DISTT. UNA (H.P.)

सनातन-धर्म
आदर्श-संस्कृत-महाविद्यालय:डोहगी
जिला ऊना (हि.प्र.)

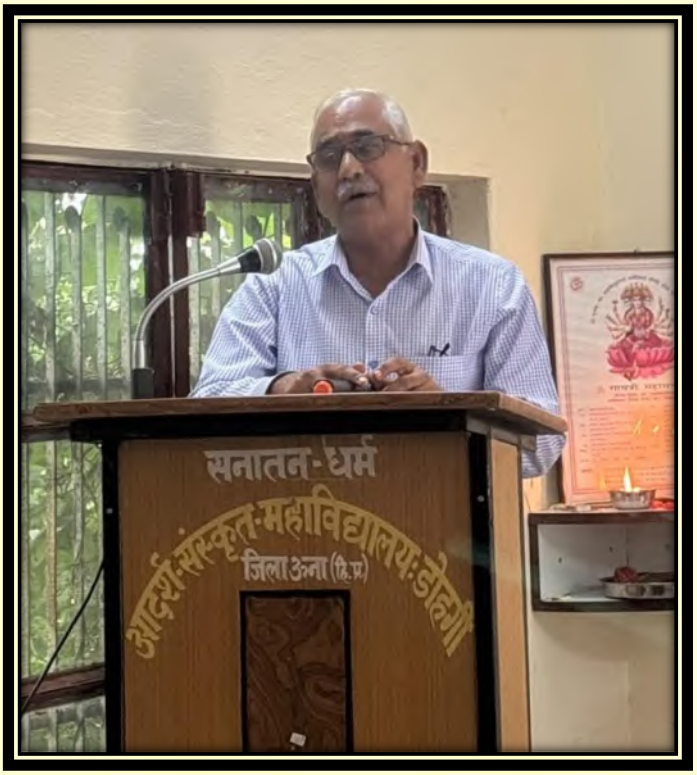
सनातन-धर्म
आदर्श-संस्कृत-महाविद्यालय:डोहगी
जिला ऊना (हि.प्र.)

सनातन-धर्म
आदर्श-संस्कृत-महाविद्यालयः डोहगी
जिला ऊना (हि.प्र)

सनातन-धर्म
आदर्श-संस्कृत-महाविद्यालय:डोंगी
जिला ऊना (हि.प्र.)

संस्कृत हाविद्यालय डोहगी में गुरुपूर्णिमा उत्सव का हुआ आयोजन

बंगाणा। सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी में गुरु पूर्णिमा का पावन उत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ नेहा दिव्यांशु व अन्य छात्र छात्राओं द्वारा सभी गुरुजनों का तिलक लगाकर किया गया। उसके पश्चात् कार्यक्रम के अध्यक्ष महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. लालसिंह पठानिया व वरिष्ठ आचार्यों ने दीपप्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया । वैदिकमङ्गलाचरण महाविद्यालय के वेदविभाग के आचार्य डा. महेशशर्मा व निशान्त आदि वैदिक छात्रों ने सम्पन्न किया। कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत व सम्मान महाविद्यालय के छात्रों आर्यन शर्मा तथा सचिन शर्मा ने किया । महाविद्यालय की छात्राओं पूजा, शिखा सुमियाल, अंजलि व सुहानी ने स्वागत गीत के माध्यम से सभी गुरुजनों का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा गुरु महिमा से सम्बन्धित प्रेरक विचार, भाषण, कविता एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी, जिनकी सभी ने सराहना की । शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा रिधम, नैन्सी व सिमरन ने भाषण के माध्यम से, अभिलाषा शर्मा व काजल ने गीत व कविता के माध्यम से और राघवशर्मा ने मङ्गलश्लोक से गुरुवन्दना की। कार्यक्रम के समन्वयक व मुख्यवक्ता आचार्य डा. नरेन्द्र कुमार ने गुरु पूर्णिमा के ऐतिहासिक, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए महर्षि वेदव्यास के योगदान का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि गुरु भारतीय ज्ञान-परम्परा के संवाहक हैं तथा उनके मार्गदर्शन से ही समाज में ज्ञान, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों का संरक्षण सम्भव है । अपने वक्तव्य में उन्होंने विवेकानन्द, दयानन्द आदि अनेक महापुरुषों के उदाहरण के द्वारा गुरु की महिमा को समझाया। महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य डा. केदारदत्त पुरोहित ने शास्त्रों में वर्णित 'नमोस्तु ते व्यासविशालबुद्धे' इत्यादि अनेक श्लोकों के माध्यम से महर्षि वेदव्यास का संस्कृत व भारतीय संस्कृति के उन्नयन में योगदान बताया । और गुरु से सम्बन्धित अनेक श्लोकों का वास्तविक अर्थ से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम के अध्यक्ष व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. लालसिंह पठानिया ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है । गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि अपने शिष्य के व्यक्तित्व का निर्माण कर उसे संस्कारित जीवन की ओर अग्रसर करता है । उन्होंने कहा कि गुरु के प्रति श्रद्धा, विनम्रता एवं समर्पण ही विद्यार्थी जीवन की वास्तविक सफलता का आधार है । इस अवसर पर प्रो. पठानिया ने एक कविता के द्वारा विद्यार्थियों से गुरुजनों के प्रति सम्मान, अनुशासन एवं समर्पण की भावना बनाए रखने का आह्वान किया ।कार्यक्रम का संयोजन ज्योतिष विभाग के आचार्य डा. मुकेश कुमार ने व मंचसंचालन शास्त्री कक्षा के छात्रों सुधांशु व तमन्ना ने किया ।

पंजाब केसरी
THU,30 JULY 2026
EDITION: UNA KESARI, PAGE NO. 2

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च : पठानिया

डोहगी संस्कृत महाविद्यालय में मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

बंगाणा, 29 जुलाई (शर्मा): सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय डोहगी में गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नेहा दिव्यांशु व अन्य विद्यार्थियों द्वारा सभी गुरुजनों का तिलक लगाकर किया गया। वैदिक मंगलाचरण महाविद्यालय के वेद विभाग के आचार्य डा. महेश शर्मा व निशान्त आदि वैदिक छात्रों ने संपन्न किया।

छात्राओं पूजा, शिखा सुमियाल, अंजलि व सुहानी ने स्वागत गीत के माध्यम से सभी गुरुजनों का अभिनन्दन किया। शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा रिधम, नैंसी व सिमरन ने भाषण के माध्यम से, अभिलाषा शर्मा व काजल ने गीत व कविता के माध्यम से और राघव शर्मा ने मंगलश्लोक से गुरु वंदना की।

कार्यक्रम के समन्वयक व मुख्य वक्ता आचार्य डा. नरेन्द्र कुमार ने गुरु पूर्णिमा के ऐतिहासिक, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ आचार्य डा. केदारदत्त पुरोहित ने महर्षि वेदव्यास का संस्कृत व भारतीय संस्कृति के उन्नयन में योगदान बताया। प्राचार्य प्रो. लाल सिंह पठानिया ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु केवल ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि अपने शिष्य के व्यक्तित्व का निर्माण कर उसे संस्कारित जीवन की ओर अग्रसर करता है।

कार्यक्रम का संयोजन ज्योतिष विभाग के आचार्य

बंगाणा : डोहगी संस्कृत महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा उत्सव में उपस्थित आचार्य व छात्र तथा (इनसैट में) प्राचार्य डा. लाल सिंह पठानिया अपना वक्तव्य देते हुए। (शर्मा)

छात्रों सुधांशु व तमन्ना ने किया। स्वयंसेवी छात्रों सत्यम सरोच, अंशुल भट्ट, मनीष, अनीकेत, शुभम, संजु इत्यादि द्वारा प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर आचार्य डा. राजिन्द्र शर्मा, डा. रविदत्त शर्मा, डा. कृष्णा देवी, रवि कन्याल, विपिन पटियाल, डा. बिक्रम बाद्यकर, डा. अरुणा देवी, डा. महेश शर्मा, अनीता, कपिला पुरोहित, अंजु, पूजा, विजय, राजेश व रीता सहित अन्य उपस्थित रहे।

गलुआ में गुरु पूर्णिमा के इतिहास बारे बताया

ऊना, 29 जुलाई (सेठी): गुरु पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार को बाबा सरबजोत सिंह की प्रेरणा से गुफा टिक्का बाबा राम किशन सिंह जी बेदी, तप अस्थान बाबा वचन दास जी बोरी वाले मोहल्ला गलुआ ऊना में गुरमत समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रात:काल श्री अखंड पाठ साहिब जी के पाठ के भोग के पश्चात कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया।

बालीवाल ने कथा कीर्तन द्वारा निहाल किया व गुरु पूर्णिमा के इतिहास के बारे में अवगत करवाया।

इस अवसर पर प्रबंधक कमेटी द्वारा अखंड पाठ साहिब जी के पाठ करवाने वाले सेवादारों को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गुरु के लंगर का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर परमजीत सांगरा, जगतार सिंह, बलिहार सिंह, राममूर्ति सिंह, चनन सिंह, सुखविंदर सिंह, परमजीत सिंह, मंजीत

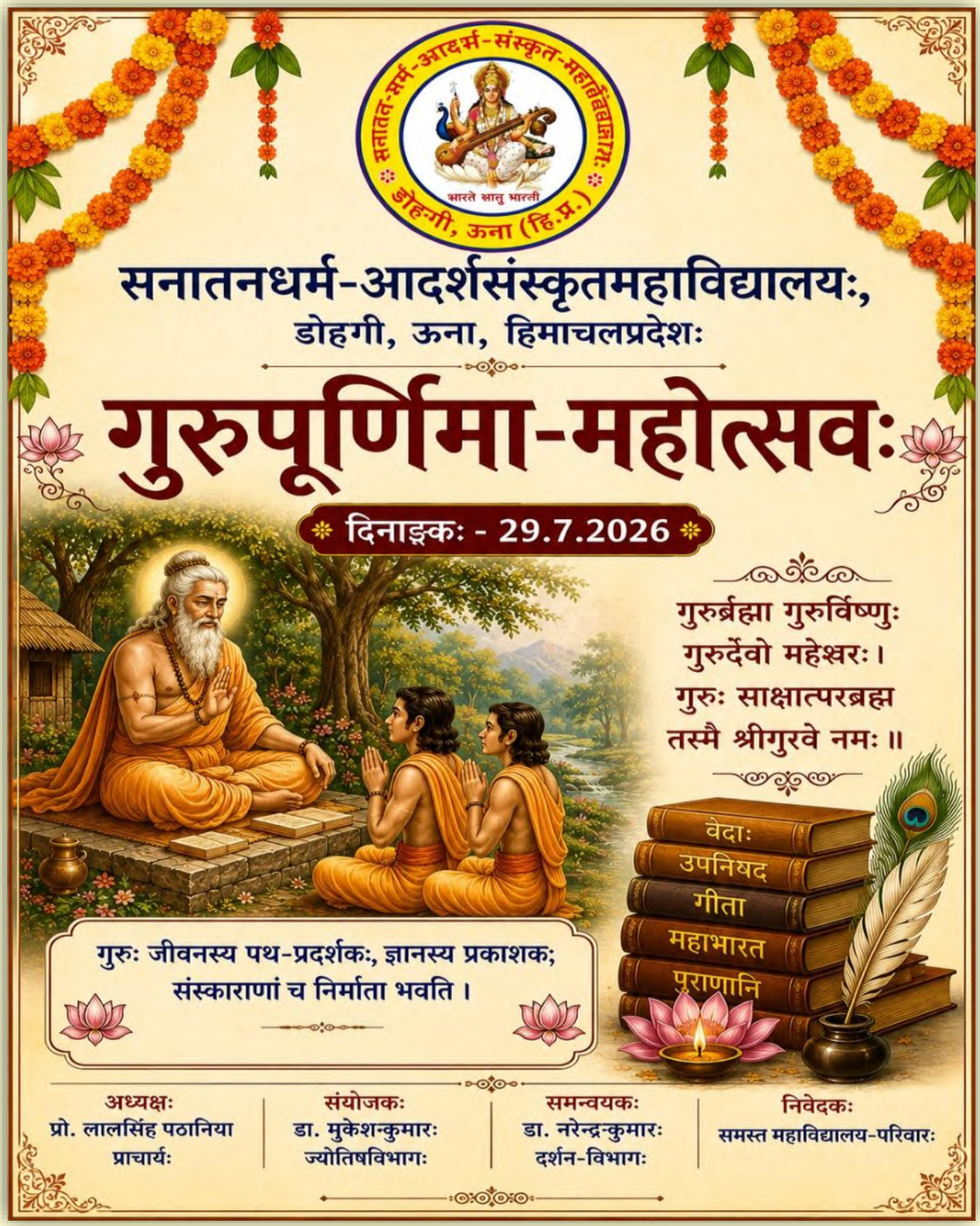

डा. नरेन्द्रकुमारः	डा. मुकेशकुमारः	प्रो. लालसिंहपठानिया
(कार्यक्रमसमन्वयकः)	(कार्यक्रमसंयोजकः)	(प्राचार्यः)